

# द्विध्रुवी विकार को समझना

(Hindi Version)

陪 SHALL  
我 WE  
講 TALK



## द्विध्रुवी विकार क्या है?

- द्विध्रुवी विकार (जिसे पहले उन्मत्त-अवसादग्रस्तता वाली बीमारी या उन्मत्त अवसाद के रूप में जाना जाता था) एक गंभीर मानसिक विकार है।
- द्विध्रुवी विकार वाले व्यक्ति आमतौर पर दो अलग-अलग मूड का अनुभव करते हैं और मूड में उग्र परिवर्तन से गुजरते हैं, अर्थात् उन्मत्त / पागलपन प्रकरण (असामान्य रूप से उत्तेज मूड) और अवसादग्रस्त प्रकरण (लगातार उदास मूड)। हालांकि, किसी प्रकरण में केवल उन्मत्त प्रकरण, या उन्मत्त/पागलपन और अवसादग्रस्तता के मिश्रित लक्षणों का अनुभव करना संभव है। अपेक्षाकृत स्थिर मूड की भी कुछ अवधि होती है।
- द्विध्रुवी विकार व्यक्तियों के दैनिक जीवन, कार्य, अध्ययन या पारस्परिक संबंधों को ख़राब कर देता है, जिससे वे आसानी से व्यक्ति हो जाते हैं।
- कुछ लोग भ्रम और/या मतिभ्रम की मनोविकृति लक्षण का अनुभव कर सकते हैं और वास्तविक अनुभव को खो सकते हैं। द्विध्रुवी विकार आत्महत्या के जोखिम को बढ़ा सकता है।

## द्विध्रुवी विकार के लक्षण क्या हैं?

व्यक्तियों को आम तौर पर उन्मत्त/पागलपन और अवसादग्रस्तता वाले प्रकरणों का सामना करना पड़ता है जो उनकी सामान्य मूड, अनुभूति, नींद, ऊर्जा और गतिविधि के स्तर के साथ-साथ व्यवहार में भारी बदलाव का कारण बन सकते हैं।

### उन्मत्त प्रकरण

### प्रमुख अवसादग्रस्तता प्रकरण



#### भावनात्मक

- असामान्य और लगातार उत्तर, विस्तृत या चिड़चिड़ी मूड
- बढ़े-चढ़े हुए आत्म-सम्मान, आड़ंबर और अपनी क्षमताओं को अधिक महत्व देना



#### भावनात्मक

- लगातार मन उदास रहना और चिड़चिड़ापन बढ़ जाना
- ऊर्जावान महसूस करना, लगातार गतिविधियों में लगे रहना जैसे कि व्यक्ति रुक ही नहीं सकता हो

## शारीरिक

- नींद की आवश्यकता कम हो जाती है लेकिन थकान महसूस नहीं होती
- लगातार थकान और ऊर्जा की कमी
- भूख और शरीर के बजन में उल्लेखनीय अननंद का कम होना



## A दवा

द्विध्रुवी विकार के इलाज के लिए दवा बहुत महत्वपूर्ण है। सामान्य मनोवैज्ञानिक हस्तेयों में व्यक्ति और उसके परिवार को विकार से निपटने के लिए इनान और कौशल के बरे में मनोवैज्ञानिक देना, पुनरावृत्ति की शीर्ष प्रवहन के लिए मनोदशा और लक्षणों में बदलावोंकी निराननी करना, दैनिक दिनचर्या स्थापित करना और नियमित नैट के शेष्यूल को बनाए रखना और पुनरावृत्ति के रोगों के लिए तनाव का प्रबंधन करना शामिल है। विकार को बेतत रोगी से प्रबंधित करें और व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में सुधर करें।



## B मनोवैज्ञानिक उपचार

मनोवैज्ञानिक उपचार आमतौर पर दवा के साथ-साथ प्रयोग किया जाता है। सामान्य मनोवैज्ञानिक हस्तेयों में व्यक्ति और उसके परिवार को विकार से निपटने के लिए इनान और कौशल के बरे में मनोवैज्ञानिक देना, पुनरावृत्ति की शीर्ष प्रवहन के लिए मनोदशा और लक्षणों में बदलावोंकी निराननी करना, दैनिक दिनचर्या स्थापित करना और नियमित नैट के शेष्यूल को बनाए रखना और पुनरावृत्ति के रोगों के लिए तनाव का प्रबंधन करना शामिल है। विकार को बेतत रोगी से प्रबंधित करें और व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में सुधर करें।



## व्यावहारिक

- मनोप्रेरक उत्तेजना यांत्रिक



- जोखिम भरे व्यवहार या लापरवाही वाली गतिविधियों में शामिल होना, जैसे तेज गति से गाड़ी चलाना, अंधाधुंध निवेश, तेजी से खेल करना

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भी ऐसी ही स्थितियों का अनुभव कर रहे हैं, तो कृपया पेशेवर मूल्यांकन के लिए और जरूर से जल्द उत्तराधिकारी के द्वारा प्राप्त करने के लिए डॉक्टर या नैदानिक मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें। शुरूआती उपचार हालात को सुधार सकता है और समस्याओं को बदलते होने से रोक सकता है।



- व्यावहारिक उत्तेजना यांत्रिक

यदि आप भ